News Letter

मुक्त चिन्तन

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

मुक्त चिन्तन

25 सितम्बर, 2025

उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, प्रयागराज एवं उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन के संयुक्त तत्वावधान में हिन्दी पखवाड़ा के अन्तर्गत मा. कुलपति आचार्य सत्यकाम जी के निर्देशानुसार मानविकी विद्याशाखा के निदेशक, प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी के कुशल मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थिति अटल सभागार में आज काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस काव्य गोष्ठी में उत्तर मध्य सांस्कृतिक केन्द्र, प्रयागराज की प्रतिनिधि कल्पना सहाय एवं कवियों में डॉ. श्लेष गौतम, श्री राधेश्याम भारती, श्री शैलेन्द्र मधुर, श्री नजर पाण्डेय, श्री जितेन्द्र मिश्र जलज आदि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के शुरूआत में विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य सत्यकाम ने आये हुए अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ एवं माल्यार्पण से किया।

दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ करते हुए माननीय अतिथिगण

कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ0 अनुपम

विश्वविद्यालय कुलगीत की प्रस्तुति

पुष्पगुच्छ भेंट कर माननीय कवियों का स्वगत करते हुए माननीय कुलपति जी

आशिर्वचन देते हुए कुलपति आचार्य सत्यकाम ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने विपरीत परिस्थितियों में देश को आगे ले जाने का साहस दिखाया है। यह कार्यक्रम उन्हीं के 75वें जन्मदिन पर समर्पित है।

काव्य पाठ करते हुए श्री जितेन्द्र मिश्र 'जलज' ने प्रेम पर आधारित अपनी कविता सुनाई *'प्रेम हो अगर पावन–पावन मन निर्मल हो जाता है यूँ ही नहीं पर्वत पिघल कर गंगाजल हो जाता है'*। डॉ. श्लेष गौतम जी ने वर्तमान में प्रेम में चल रही घटनाओं को दर्शाते हुए कहा कि *'चाहतो को हवस बदचलन ले गयी' पूछते हो मोहब्बत का अंजाम तुम, बेवफाई वफा की दुल्हन ले गयी'*। श्रोताओं की तालियों से पूरा हाल गुजायमान हो गया। श्री नजर पाण्डेय जी ने जब अपना काव्य निवेदित किया *'दिलो के दर्द की कोई टिकिया नहीं होती, चुभ जाये कोई बात घटिया नहीं होती'* तो श्रोताओं को मंत्र मुग्ध कर दिया। शैलेन्द्र 'मधुर' ने हिन्दी भाषा पर काव्य पाठ करते हुए कहा कि *सनातन सांस्कृति की सम्मान है हिन्दी, भगत सिंह, अशफाक की शान है हिन्दी ।।* श्री राधेश्याम भारती ने काव्य प्रस्तुत करते हुए *'माँ छाल के साथ ममता भी घाव पर लगाती थी.....* ने श्रोताओं को भाव विभोर कर दिया। *घर में महाभारत बेटो ने रच दिया मैं जिन्दगी भर राम कथा कहता रहा ..... ।*

कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्ज्वलन एवं सरस्वती प्रतिमा पर माल्यार्पण करके किया गया। इस अवसर पर शोध छात्रों द्वारा कुलगीत प्रस्तुत किया गया एवं कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र प्रयागराज की प्रतिनिधि श्रीमती कल्पना सहाय ने इस काव्य गोष्ठी में आये हुए सभी कवियों एवं श्रोताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। काव्य गोष्ठी की अध्यक्षता श्री राधेश्याम भारती ने किया एवं काव्यगोष्ठी का संचालन श्री शैलेन्द्र मधुर ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के आचार्यगण, सह–आचार्यगण, सहा. आचार्यगण, कर्मचारीगण आदि उपस्थिति रहे। कार्यक्रम का आयोजन, आयोजन सचिव श्री अनुपम–सहायक आचार्य मानविकी विद्याशाखा ने किया।

इस काव्य गोष्ठी में आये हुए सभी कवियों एवं श्रोताओं के प्रति आभार व्यक्त करती हुई उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र प्रयागराज की प्रतिनिधि श्रीमती कल्पना सहाय

25 सितम्बर, 2025

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मोत्सव के अंतर्गत जन्मोत्सव पखवाड़ा के अंतर्गत विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केन्द्र गोरखपुर में काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया।

आज दिनांक 25 सितम्बर, 2025 को क्षेत्रीय केंद्र लखनऊ पर महिला सशक्तिकरण शिक्षा एवं चुनौतियां विषय पर एक संगोष्ठी का सफल आयोजन किया गया। महिला सशक्तिकरण समाज की प्रगति का आधार है। शिक्षा के बिना सशक्तिकरण अधूरा है। आज भी महिलाओं को शिक्षा के लिए अनेक चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। कार्यक्रम में शिक्षार्थियों शिक्षकों एवं समाज सेवियो ने बढ चढ़ कर हिस्सा लिया। वक्ताओ ने महिलाओं की शिक्षा सबंधित समस्याओं पर खुल कर प्रकाश डाला। ऐसे आयोजन न केवल जागरूकता बढ़ाते हैं। बल्कि शिक्षार्थियों में संवेदनशीलता और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना भी विकसित करते हैं। इस लिए ही सामाजिक चिंतन मंच तैयार किया गया है। जिसमें माह में एक बार सामाजिक समस्याओं पर चर्चा की जाएगी।

मुक्त चिन्तन
News Letter
उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित
मुक्त चिन्तन
25 सितम्बर, 2025

मुविवि में 'विकसित भारत हेतु पं. दीनदयाल उपाध्याय के विचार' विषय पर व्याख्यान

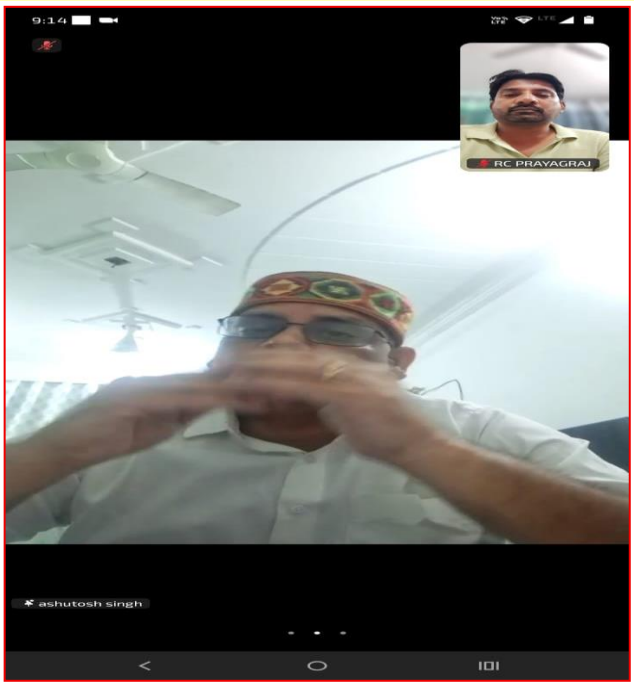

आज दिनांक 25 सितम्बर, 2025 को उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज में पं. दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ के तत्वावधान में पूर्वाह्न 9:00 बजे एक आनलाइन व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान का विषय 'विकसित भारत हेतु पं. दीनदयाल उपाध्याय के विचार' था। उक्त व्याख्यान के मुख्य वक्ता प्रो0 आशुतोष सिंह, निदेशक, पं. दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ, प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भैया) विश्वविद्यालय, प्रयागराज रहे तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता मा. कुलपति आचार्य सत्यकाम जी ने किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ प्रो0 संजय कुमार सिंह ने विषय प्रवर्तन एवं अतिथि स्वागत के साथ किया। प्रो. संजय कुमार सिंह ने बताया कि पं. दीनदयाल उपाध्याय कष्टमय जीवन व्यतीत करते हुए राष्ट्र को एक महान चिन्तन प्रदान किया। पूंजीवाद, साम्यवाद का भारतीय अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है इसमें भारतीय अर्थव्यवस्था अपना कौन सा मार्ग चयन करें जिससे भविष्य में भारत की उन्नति अनवरत होती रहें।

कार्यक्रम का संयोजक प्रो. संजय कुमार सिंह, निदेशक, पं. दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ एवं आयोजन सचिव डा. दिनेश सिंह, उप–निदेशक पं. दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ रहे। कार्यक्रम का संचालन डा. सुनील कुमार जी, सहायक आचार्य, प्राचीन इतिहास के द्वारा किया गया।

अपनी संस्कृति अपनी परम्परा के अनुसार हो : प्रो. आशुतोष सिंह

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रो. आशुतोष सिंह ने पं. दीनदयाल उपाध्याय के विचारों को स्पष्ट करते हुए कहा कि उन्होने देश को नही वरन राष्ट्र को स्वीकार किया देश केवल भौगोलिक ईकाई होती है जबकि राष्ट्र सांस्कृतिक जुड़ाव एवं एकत्व को दर्शाता है। पं. दीनदयाल ने व्यष्टि से समष्टि, समष्टि से शिष्ट एवं शिष्ट से परमेष्ठि की अवधारणा पर बल दिया। मुख्य वक्ता ने बताया कि पंडित जी के अनुसार भारत को मजबूत होने के लिए स्व का तंत्र होना चाहिए जिससे भारत का विकास भारत के हिसाब से हो सके अर्थात अपनी संस्कृति अपनी परम्परा के अनुसार हो।

मुक्त विश्वविद्यालय पं. दीनदयाल जी के विचारों का वाहक बना – आचार्य सत्यकाम

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे मा. कुलपति आचार्य सत्यकाम जी ने कहां कि पं. दीनदयाल उपाध्याय जी के मानवता, अन्त्योदय के वास्तविक वाहक, उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त वि. वि. है जो बिना किसी भेदभाव के सभी को समान रूप से अवसर उपलब्ध कराता है। मा. कुलपति आचार्य सत्यकाम जी ने कहा कि पंडित जी के विचारों को अपने में समाहित करते हुए पालन करने की आवश्यकता है। आचार्य सत्यकाम ने पं. दीनदयाल उपाध्याय की सभी पीठों के अध्यक्षों को एक साथ बुलाकर दो दिवसीय सेमिनार करने की बात कही जिससे सभी के मध्य पं. दीनदयाल उपाध्याय के विचारों को फैलाया जा सके। मा0 प्रधानमंत्री मोदी जी के स्वदेशी आन्दोलन को जन–जन तक फैलाने की बात कही।

कार्यक्रम के अन्त में प्रो. संतोषा कुमार जी, निदेशक, समाज विज्ञान विद्याशाखा ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए अध्यक्ष, मुख्य वक्ता, संयोजक, कार्यक्रम से जुड़े हुए सभी आचार्यो, सह–आचार्यो, सहायक आचार्यो एवं लोगों को कार्यक्रम से जुड़ने के लिए धन्यवाद दिया।